C-10

20 FEBRUARY MONDAY

समावेशी विद्यालय का सृजन (Creating an Inclusive School)

Concept of Inclusive Education :-

समावेशी शिक्षा वह होती है, जिसके द्वारा विशिष्ट क्षमता वाले बालक जैसे मन्दबुद्धि, अन्धे बालक, बहरे बालक तथा प्रतिभाशाली बालकों को ज्ञान प्रदान किया जाता है।

Meaning of Inclusive Education :-

समावेशी शिक्षा का आशय सामान्य रूप से उस शिक्षा व्यवस्था से सम्बन्धित है, जिसमें सामान्य असामान्य छात्र एक ही कक्षा-कक्ष में एक-दूसरे को सम्मिलित करके अध्ययन करते हैं।

इस व्यवस्था में सभी प्रकार के असाधारण छात्र एक साथ मिलकर सामान्य छात्रों के साथ शिक्षा ग्रहण करते हैं।

Definition of Inclusive Education :-

प्रो० एस० के० दुबे के अनुसार :-

" समावेशी शिक्षा का आशय उस शिक्षा व्यवस्था से है जिसमें सामान्य तथा असाधारण छात्रों को एक साथ शिक्षण प्रदान करते हुए उच्च अधिगम स्तर से सम्बन्धित क्रियाओं को सम्मिलित किया जाता है तथा समुदाय, अभिभावक, शिक्षक एवं प्रशासन का सक्रिय सहयोग प्राप्त किया जाता है।"

श्रीमती राजकुमारी शर्मा के शब्दों में :-

" समावेशी शिक्षा का अभिप्राय ऐसे छात्रों की शिक्षा से है जो सामान्य बालकों से भिन्न हैं और यह शिक्षा उन्हें समझकर तथा अनुकूल वातावरण प्रदान करके सर्वांगीण विकास की ओर प्रेरित करती है।"

शिक्षाशास्त्री के अनुसार :-

" समावेशी शिक्षा अधिगम के ही नहीं, बल्कि विशिष्ट अधिगम के नये आयाम खोलती है।"

समावेशी शिक्षा की विशेषताएँ (Characteristics of Inclusive Education) :-

(i) सभी के लिए शिक्षा (Education for all)

समावेशी शिक्षा के दर्शन के अनुरूप शिक्षा सभी के लिए होनी चाहिये। इसमें प्रौढ़ शिक्षा (15-35 वर्ष) केन्द्रों के माध्यम (~~15-35 वर्ष~~) से उनको शिक्षा प्रदान करनी चाहिये।

(ii) गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था (Qualitative education system) :-

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था समावेशी शिक्षा के दर्शन का प्रमुख आधार है। प्रत्येक बालक को विद्यालय में प्रभावी शिक्षण अधिगम प्रक्रिया, प्रतिभाओं को विकसित करने वाली पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाएँ एवं भौतिक सुविधाएँ होनी चाहिए।

(iii) साथी समूह के साथ विद्यालय में नामांकन (Enrollment in school with peer groups) :-

साथी समूह के साथ ~~शिक्षा~~ शिक्षा प्राप्त करने का प्रत्येक बालक एवं बालिका को होगा। इसके लिए शत-प्रतिशत नामांकन के लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास किया जायेगा। विशेष रूप से अभाव, अनुसूचित एवं पिछड़े वर्ग के बालक एवं बालिकाओं का विद्यालय में नामांकन कराना।

(iv) सहभागिता आधारित दर्शन (participation of self respec

August

MARCH 2017

MARCH
SATURDAY
WK 10 • 070-295
11

C-10

Characteristics of Inclusive Education :-
समावेशी शिक्षा की विशेषता है :-

(1) यह समाज में अपंग तथा सामान्य बालकों के मध्य स्वस्थ, सामाजिक वातावरण तथा सम्बन्ध बनाने में समाज के प्रत्येक स्तर पर सहायक है। समाज में एक-दूसरे के मध्य दूरी कम तथा आपसी सहयोग की भावना को प्रदान करती है।

(2) इस शिक्षा का ऐसा प्रारूप किया गया है जिससे अपंग बालक को समान शिक्षा के अवसर प्राप्त हों तथा वे समाज में अन्य लोगों की भाँति आत्मनिर्भर होकर अपना जीवनयापन कर सकें।

(3) समावेशी शिक्षा एक सतही प्रक्रिया नहीं है, बल्कि मनुष्यों के विकास के लिये मनुष्यों के द्वारा किये गये कुपरिमुक्त प्रयास है।

(4) समावेशी शिक्षा ऐसी शिक्षा है जिसके अन्तर्गत शारीरिक रूप से बाधित बालक तथा सामान्य बालक साथ-साथ सामान्य कक्षा में शिक्षा ग्रहण करते हैं। इस प्रकार समावेशी शिक्षा अपंग बालकों के पृथक्कीकरण के विरोधी व्यावहारिक समाधान है।

(5) समावेशी शिक्षा विशिष्ट शिक्षा का विकल्प नहीं है। समावेशी शिक्षा तो विशिष्ट शिक्षा का पूरक है।

(6) यह एक ऐसी व्यवस्था है जिसके अन्तर्गत शारीरिक रूप से बाधित बालक भी सामान्य बालकों के समान महत्वपूर्ण समझे जाते हैं।

2017

Objectives of Inclusive Education :-
समावेशित शिक्षा के उद्देश्य :-

(i) शारीरिक रूप से विकृतियुक्त बालकों की शिक्षण समस्याओं की जानकारी प्रदान करना।

(ii) शारीरिक दोषयुक्त विभिन्न बालकों की विशेष आवश्यकताओं की सर्वप्रथम पहचान करना तथा निर्धारण करना।

(iii) शारीरिक दोषों की दशा को बढ़ाने से पहले कि वे गम्भीर स्थिति को प्राप्त हों, उनके रोकथाम के लिये सर्वप्रथम उपाय किया जाए। बालकों के सीखने की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए कार्य करने की विभिन्न नवीन विधियों द्वारा विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान करना।

(iv) शारीरिक रूप से विकृतियुक्त बालकों को पुनर्वास कराया जाना।

(v) बालकों की असमर्थताओं का पता लगाकर उनको दूर करने का प्रयास करना।

(vi) शारीरिक रूप से विकृतियुक्त बालकों की शिक्षण समस्याओं की जानकारी प्रदान करना तथा सुधार हेतु सामूहिक संगठन की तैयारी किया जाना।

August

APRIL 2017
M T W T F S S M T W T F S S
1 2 3 4 5 6 7 8 9
10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23
24 25 26 27 28 29 30

C-10

18 MARCH SATURDAY
077-288 • WK 11

Concept of Special Education :-

विशिष्ट शिक्षा का आशय उस शिक्षा व्यवस्था से होता है जो कि छात्र विशेष की उसकी शारीरिक आवश्यकता के अनुरूप प्रदान की जाती है।

विशिष्ट बालक वह होते हैं जो शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक या सामाजिक गुणों में औसत से भिन्न होते हैं।

T.J. Hunt के अनुसार :- "विशिष्ट बालक वे हैं जो शारीरिक, संवेगात्मक या सामाजिक विशेषताओं में सामान्य बालकों से इतने पृथक हैं कि उनकी क्षमताओं के अधिकतम विकास के लिए विशिष्ट शिक्षा सेवाओं की आवश्यकता होती है।"

साधारण शब्दों में विशिष्ट शिक्षा से अभिप्राय उस शिक्षा से है जो विशिष्ट बालकों को दी जाती है ~~जैसे~~ जो प्रतिभाशाली एवं पिछड़े बालकों को ~~दी जाती है~~

Definition of Special Education :-

Prof. S.K. Dubey के अनुसार :- "विशिष्ट शिक्षा का आशय उस शिक्षा से है, जो सामान्य स्तर के छात्रों से अधिक या कम मानसिक एवं शारीरिक स्तर के छात्रों को प्रदान की जाती है।"

श्रीमती R.K. Sharma के अनुसार :- "विशिष्ट शिक्षा उन सभी छात्रों को प्रदान की जाने वाली शिक्षा है, जो निश्चित वातावरण में उचित कार्य नहीं कर पाते हैं। इस प्रकार के छात्र प्रतिभाशाली एवं शारीरिक रूप से अक्षम दोनों रूप में हो सकते हैं।"

2017

APRIL

Scanned with CamScanner

Own Mind के अनुसार :- विशिष्ट शिक्षा किसी एक श्रेणी
8 के छात्रों के लिये नहीं होती ~~बल्कि~~ एवं उन सभी
9 छात्रों के लिये होती है, जिनको उनकी आवश्यकता होती है।

10 विशिष्ट शिक्षा की विशेषतायें
Characteristics of Special Education:-

11 (i) विशिष्ट शिक्षा उन छात्रों के लिये होती है, जो कि एक निश्चित शैक्षिक वातावरण
12 में सामान्य रूप से कार्य नहीं कर पाते हैं।

1 (ii) विशिष्ट शिक्षा की संरचना में छात्रों की योग्यता एवं मानसिक स्तर का विशेष ध्यान
2 रखा जाता है।

(iii) विशिष्ट शिक्षा का पाठ्यक्रम
3 एवं विधियाँ सामान्य शिक्षा के पाठ्यक्रम एवं विधियों से भिन्न होता है।

4 (iv) विशिष्ट शिक्षा प्रतिभाशाली एवं शारीरिक अक्षमता से युक्त छात्रों के लिये ही
5 होती है।

(v) विशिष्ट शिक्षा साधारण शिक्षा
6 का एक रूपांतर है।

(vi) विशिष्ट शिक्षा योजनाबद्ध एवं व्यवस्थित ढंग से प्रदान की जाती है।

विशिष्ट शिक्षा के उद्देश्य (Objectives of Special Education)

(i) प्राथमिक विद्यालयों द्वारा छात्रों की विशिष्टता की पहचान करना तथा उनके अनुरूप शिक्षण की व्यवस्था करना।

(ii) शारीरिक रूप से अक्षम छात्रों के लिये विशिष्ट पाठ्यक्रम एवं विशिष्ट शिक्षण विधियों की व्यवस्था करना, जिससे बच्चों का शैक्षिक स्तर उच्च हो सके।

(iii) सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार के अधिनियम बनाकर शारीरिक रूप से अक्षम छात्रों को समाज की मुख्य धारा में सम्मिलित किया जाना।

(iv) विद्यालयों में विभिन्न प्रकार के सहगामी क्रियाओं का संचालन करके छात्रों का बहुमुखी विकास पर बल देना।

(v) शारीरिक रूप से अक्षम छात्रों को आरक्षण प्रदान कर बढ़ावा देना जिससे की उच्च शिक्षा भी आसानी से प्राप्त कर सकें।

(vi) सरकार द्वारा विशिष्ट बालकों की शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान प्रक्रिया (Research programme) को बढ़ावा देना जिससे नवीन ज्ञान की खोज कर सके और विधियों का प्रयोग कर सकें।

(vii) विशिष्ट शिक्षा में प्रतिभाशाली बालक एवं बालिकाओं के लिये सामान्य बालक एवं बालिकाओं से पृथक पाठ्यक्रम तैयार होना चाहिये।

Scanned with CamScanner